Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 14 अक्तूबर, 2023

तमिल लेखक शिवशंकरी को सरस्वती सम्मान से सम्मानित किया गया

- तमिल लेखिका शिवशंकरी को उनके संस्मरण (जीवनी) **"सूर्य वामसम"** के लिये **सरस्वती सम्मान 2022** से सम्मानित किया गया।
  - **"सूर्य वामसम"** दो खंडों वाला एक संस्मरण है जो लेखिका की सात दशकों की साहित्यिक यात्रा तथा सामाजिक परिवर्तनों को उल्लिखित करता है।
- यह पुरस्कार **भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल 22 भाषाओं** के भारतीय लेखकों द्वारा विगत 10 वर्षों में प्रकाशित साहित्यिक कृतियों के लिये प्रतिवर्ष दिया जाता है।
- यह पुरस्कार **के.के. बिड़ला फाउंडेशन** द्वारा प्रदान किया जाता है, जिसमें **15 लाख रुपए की धनराशि** समेत एक **पट्टिका** तथा **प्रशस्ति पत्र** दिया जाता है।
- सरस्वती सम्मान भारतीय **साहित्य के क्षेत्र में सर्वोच्च सम्मानों में से एक** है। सरस्वती सम्मान के अतिरिक्त, **व्यास सम्मान** और **बिहारी पुरस्कार** बिड़ला फाउंडेशन द्वारा स्थापित अन्य साहित्यिक पुरस्कार हैं।

//

और पढ़ें: भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची

नासा ने क्षुद्रग्रह बेन्नू पर कार्बन और जल होने की पुष्टि की

- राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (NASA) **ने** क्षुद्रग्रह बेन्नु (पूर्व में 1999 RQ36) से एकत्र किये गए नमूनों में **उच्च कार्बन सामग्री और जल धारण करने वाले मिट्टी के खनिजों** की उपस्थिति की पुष्टि की है।
  - बेन्नू **4.5 अरब वर्ष पुराना** एक छोटा-पृथ्वी क्षुद्रग्रह है जो **प्रत्येक छह वर्ष में पृथ्वी के करीब से गुजरता है।** क्षुद्रग्रह की खोज **वर्ष 1999 में नासा द्वारा वित्तपोषित लिंकन नियर-अर्थ क्षुद्रग्रह अनुसंधान** की एक टीम द्वारा की गई थी।

- बेन्नू से एकत्रति सामग्री हमारे **सौर मंडल के शुरुआती दनिों के टाइम कैप्सूल के रूप में कार्य करती है** और **जीवन की उत्पत्ति** तथा क्षुद्रग्रहों की प्रकृति के वषिय में सवालों के जवाब देने में सहायता कर सकती है।

- नासा का 'ओसीरसि-रेक्स' अंतरक्षि यान, क्षुद्रग्रह नमूना प्राप्त करने का पहला अमेरकिी प्रयास, वर्ष 2016 में बेन्नू की यात्रा के लयि लॉन्च कयिा गया था।
- मशिन की सफलता क्षुद्रग्रहों के वषिय में हमारी समझ को बढ़ाती है, उन क्षुद्रग्रहों के वषिय में भी जो पृथ्वी के लयि खतरा उत्पन्न कर सकते हैं।
  - हमारे सौर मंडल की उत्पत्ति के वषिय में जानकारी हासलि करने के लयि वैज्ञानकि अगले दो वर्षों में नमूनों का और अधकि वशि्लेषण करेंगे।

और पढ़ें... NASA का OSIRIS-REx अभयिान

पासपोर्ट टू अर्नगि (P2E) पहल

यूनसिेफ के वैश्वकि स्तर के सीखने-से-कमाई संबंधी पहल **पासपोर्ट टू अर्नगि (P2E)** ने भारत में **दस लाख से अधकि युवाओं को वत्तिीय साक्षरता और डजिटिल उत्पादकता के क्षेत्रों** में कुशल बनाया एवं प्रमाण पत्र प्रदान कयिा है।

- **राष्ट्रीय शक्षिा नीत (National Education Policy- NEP) 2020** के अनुरूप P2E पहल **डजिटिल उत्पादकता, वत्तिीय साक्षरता, रोज़गार हेतु योग्यता संबंधी कौशल एवं नौकरी** के लयि प्रशक्षिति कौशल से संबंधति प्रमाणन (सर्टफिकिेट) पाठ्यक्रमों तक नशिुल्क पहुँच प्रदान करती है।
  - भारत में वशिेष रूप से P2E पाठ्यक्रमों के लाभार्थयिों में से 62% कशिोर लड़कयिाँ और युवा महलिाएँ हैं।
- इस डजिटिल लर्नगि प्लेटफॉर्म का लक्ष्य वर्ष 2024 तक **भारत में 14-29 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं को दीर्घकालकि टकिाऊ कौशल प्रदान करना** और फरि उन्हें आर्थकि रूप से स्वतंत्र बनाने हेतु नौकरी, स्वरोज़गार एवं उद्यमता के अवसरों से जोड़ना है। P2E देश के शैक्षकि तथा आर्थकि परदृिश्य में एक महत्त्वपूर्ण योगदान है।

और पढ़ें... राष्ट्रीय शक्षिा नीत 2020

INS सागरध्वन

DRDO के तहत **नौसेना भौतकि और समुद्र वज्ञािन प्रयोगशाला (Naval Physical & Oceanographic Laboratory- NPOL)** , **कोच्च** का समुद्र वज्ञािन अनुसंधान पोत, **INS सागरध्वन,** दक्षणी नौसेना कमान (Southern Naval Command- SNC), कोच्च के दक्षणि जेट्टी से सागर मैत्री (SM) मशिन- 4 पर रवाना हुआ।

- INS सागरध्वन के मशिन में **उत्तरी अरब सागर में वैज्ञानकि तैनाती** और **ओमान में सुल्तान कबूस वशि्ववदि्यालय** जैसे संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम शामलि हैं, जो भारतीय एवं IOR महासागर शोधकर्त्ताओं के बीच मज़बूत कामकाज़ी संबंधों को बढ़ावा देंगे।
- INS सागरध्वन एक **समुद्री ध्वनकि अनुसंधान जहाज़** है जसिका नर्माण स्वदेश में कयिा गया है और इसे **जुलाई 1994** में लॉन्च कयिा गया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-14-october,-2023